राजनीतिक तरकस

RNI NO.: DELHIN/2016/70363

देश का सबसे तेज साप्ताहिक

राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार

मूल्य : ₹5

■ वर्ष : 01 ■ अंक : 08 ■ पृष्ठ : 08 ■ नई दिल्ली ■ बुधवार ■ 16 नवम्बर, 2022 (16 नवम्बर से 22 नवम्बर 2022) ■ Website: www.rajneetiktarkas.in

जे एन यू कहे

महाभारत की कहानी विज्ञान की जुबानी

साहित्यकार प्राचीन सांस्कृतिक धरोहरों को जन-जन तक पहुंचायें-शिक्षा मंत्री डॉ सुभाष सरकार

जितेंद्र तिवारी
(संपादक)

संस्कृत एवं प्राच्यविद्या अध्ययन संस्थान, जे एन यू एवं विजन इण्डिया पब्लिकेशन के संयुक्त तत्वाधान में सुप्रसिद्ध लेखिका श्रीमती सरोज बाला की रचना महाभारत की कहानी, विज्ञान की जुबानी पुस्तक का विमोचन किया गया। सरोज बाला को उनकी संस्कृत भाषा, खगोल विज्ञान, पुरातत्व, भूगोल, प्राचीन इतिहास और संस्कृति जैसे विषयों पर उल्लेखनीय योगदान के लिए जाना जाता है। उनकी इस पुस्तक का विमोचन **भारत सरकार के शिक्षा मंत्री डॉ सुभाष सरकार ने किया** जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता **जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय दिल्ली के कुलगुरू प्रो शांतिश्री धूलिपुड़ी पण्डित ने जे एन यू कंवेशन सेंटर में किया** जिसमें मुख्य रूप से प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार, कुलपति, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़, संतोष कुमार तनेजा, संस्थापक-संकल्प, जन कल्याण समिति, सुधा शर्मा, आई आर एस, सेवानिवृत अध्यक्ष, केंद्रीय प्रत्यक्ष बोर्ड, प्रो दीपेन्द्र नाथ दास, कुलनिदेशक-2, जे एन यू प्रमुख थे। कार्यक्रम के मध्य रामायण की कहानी, विज्ञान की जुबानी नामक वृत चित्र की भी प्रस्तुति दिखाई गई। कार्यक्रम का संचालन जे एन यू के एस एस आई एस के डीन प्रोफेसर सुधीर कुमार आर्य ने किया। **कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलन व वैदिक मंत्रोच्चारण से किया गया। पुस्तक की विवेचना आई आई टी के इंजीनियर, लेखक व योग गुरू संक्रात सानू ने बडे ही सधे तरीके से किया।** जिसमें उन्होंने महाकाव्य महाभारत के आधुनिकी करण और प्रासांगिकता के पक्ष का उल्लेख किया। चूंकि सानू खुद भी विज्ञान के विद्यार्थी रहे हैं इसलिए सरोज बाला की लिखी किताब महाभारत की कहानी विज्ञान की जुबानी का इतना सुंदर और सरल वर्णन किया जो आप को किताब पढ़ने पर मजबूर कर देगी। उन्होंने बताया कि अभी तक विदेशी लेखकों जैसे विलियम जोन्स जैसे लेखकों द्वारा ही हम अपना इतिहास जान पाते थे वह भी अंग्रेजी भाषा में जबकि सरोज जी ने इसे हिंदी भाषा में लिखकर सबको एक शानदार तोहफा दिया है। सानू जो स्वयं भी एक प्रकाशन चलाते हैं उन्होंने यह कहा कि सरोज जी स्वयं एक आयकर आयुक्त रही हैं और कई सरकारी पदों पर रहते हुए समाज को अपना विशेष योगदान दिया है। पुस्तक के कुछ अंशों का सामान्य मतलब उन्होंने पेश करते हुए कहा कि ग्रहों की दशा से हम वास्तविक काल खंड में पहुंच सकते हैं और सरोज जी ने अपने कुछ सहयोगियों के साथ यह करिश्मा कर दिखाया। उन्होंने सितारों को साक्ष्य बनाकर महाभारत के काल खंड और कई घटनाओं को उद्दृत करते हुए महाभारत को वैज्ञानिकों की नजर से देखने की कोशिश की है। वस्तुतः उन्होंने महाभारत जैसे महाकाव्य के हजारों श्लोक पढे हैं और उसका एस्ट्रो रिफरेंस निकाला है। उस काल का एक अनुमानित निर्धारण निश्चित रूप से इस किताब के बाद पाठकों को मिल सकेगा। हम बीस हजार साल पहले या बीस साल बाद के इतिहास के करीब पहुंच सकते हैं क्योंकि सरोज जी ने प्लैनोटोरियम अलाइनमेंट कर फैक्ट्स निकालने की पूरी पूरी कोशिश की है। सानू ने किताब में उल्लेख तीन तथ्यों की चर्चा करते हुए कहा कि महाभारत की कहानी विज्ञान की जुबानी शीर्षक को चरितार्थ करते हुए एक नायाब कोशिश की गई है जहां आर्कलॉजिकल एवीडेंस यानि पुरातत्व के कई दुर्लभ चीजों को समावेश कर अपनी बात इसलिए प्रमाणित की गई है ताकि इसे विज्ञान की नजर से देखा और परखा जाय। इस लिहाज से किताब की लेखिका सरोज जी ने एक विश्वकोष बना दिया है या कहें कि यह एक ऐसा एनसाइकलोपेडिया है जहां से भविष्य के न केवल वैज्ञानिकों के लिए एक शोध का रास्ता खुलेगा बल्कि इतिहासकारों, समाजशास्त्र व दर्शनशास्त्र के जानकारों को भी नए रिसर्च के मार्ग मिलेंगे। सानू के बाद मंच को संभालते हुए **हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेन्द्रगढ़ के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार** ने पुस्तक के कॉलेज या पुस्तकालय में पठन-पाठन की दृष्टि से कहा कि हम विभिन्न तरह के त्योहार मनाते हैं। दशहरा, दीवाली जैसे पर्व को इसलिए मनाते हैं क्योंकि इसमें हमारी आस्था है और यही आस्था को जब प्रामाणिक बना दिया जाता है तो उसमें हमारा अटूट विश्वास उभर जाता है और सरोज जी ने इस किताब के माध्यम से महाभारत जैसे महान ग्रंथ को वैज्ञानिक तरीके से प्रामाणिक बनाया है। इससे हमें न केवल महाभारत बल्कि बाल्मिकी रचित रामायण को भी तारीखों, पुरातत्व के तथ्यों के आधार पर चिन्हित कर सकते हैं। इसमें ग्रहों की दशा हमारा सबसे बड़ा सहायक है क्योंकि इन्हीं से दिन, तारीख, वर्ष और शताब्दी रिकार्ड किए जाते हैं। अंत में प्रोफेसर टंकेश्वर ने कहा कि सरोज जी रिवर्स की गणना कर एक नई परिपाटी की शुरूआत की है और यह सब सॉफ्टवेयर की मदद से संभव हो पाया है।

(शेष पृष्ठ >>4 पर)

कोरोना महामारी में भारत ने पड़ोसी देशों को वैक्सीन दान कर पहुंचाई सहायता : उपराष्ट्रपति

देशों की मदद की, भारत ने उस समय पड़ोसी देशों को सहायता प्रदान की और कंबोडिया, थाईलैंड, सिंगापुर, मलेशिया, फिलीपींस, इंडोनेशिया, वियतनाम, लाओस को वैक्सीन दान कर मानवता की रक्षा की। यह बात देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कंबोडिया में कही। उपराष्ट्रपति नोम पेन्ह में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उनके साथ विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर मौजूद रहे।

ज्ञात रहे कि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ शुक्रवार को आसियान-भारत स्मारक शिखर सख्म्मेलन और 17वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए तीन दिवसीय यात्रा पर कंबोडिया शुक्रवार को पहुंचे हैं। यहां पहुंचने पर कंबोडिया के डाक एवं दूरसंचार मंत्री सी. वांदेथ ने उनकी अगवानी की। इस अवसर पर धनखड़ ने कहा कि दोनों देश सदियों पुरानी सभ्यता से जुड़े हैं।

उपराष्ट्रपति शुक्रवार को कंबोडिया की राजधानी पहुंचे भारतीय प्रवासियों को संबोधित किया। धनखड़ ने कहा कि दोनों देश समृद्ध परंपराओं और संस्कृति को साझा करते हैं और सदियों पुरानी सभ्यता से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि भारत में अवसरों से भरा हुआ है। हमारा देश सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन के मंत्र पर चलकर आर्थिक विकास के पथ पर बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है।

कंबोडिया की राजधानी में प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आप सभी के साथ यहां आकर बेहद खुशी हुई। वास्तव में भारत और कंबोडिया राजनयिक संबंधों के 70 साल पूरे होने का यह एक विशेष अवसर है। यह वर्ष भारत-आसियान मैत्री वर्ष के साथ भारत-आसियान संबंधों की 30वीं वर्षगांठ भी है। वैश्विक स्तर पर बढ़ते भारत के कदमों को लेकर धनखड़ ने कहा कि भारत ने आज दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने का मील का पत्थर हासिल कर लिया है। गौरतलब है कि वे शनिवार को नोम पेन्ह में आसियान-भारत स्मारक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। (शेष पृष्ठ >>7 पर)

जी-20 शिखर सम्मेलन

गर्मजोशी से मिले जो बाइडेन और पीएम मोदी

भारत ने रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए कूटनीतिक रास्ता अपनाने पर दिया जोर

बाली (इंडोनेशिया)

भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी इस समय 17वें G20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए बाली गये हैं। भारत की उपस्थिति को चिह्नित करते हुए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी 14 नवंबर को इंडोनेशियाई द्वीप बाली पहुंचे। सम्मेलन से सामने आये कुछ तस्वीरों मे आप देख सकते हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन पीएम मोदी के पास जाते है, अभिवादन करते हैं। शिखर सम्मेलन शुरू होने से पहले मुस्कुराते हुए दोंने देश के नेताओं के बीच मुलाकात हुई। पीएम मोदी को एक मिनट से अधिक समय तक बाइडेन से बात करते देखा जा सकता है। दोनों नेताओं ने जी 20 सत्र शुरू होने से पहले गर्मजोशी से गले लगाया। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता जेड तरार ने प्रेस से बात करते हुए कहा, राष्ट्रपति बाइडेन और पीएम मोदी के बीच दोस्ती है जो स्पष्ट है। त20 कॉन्क्लेव से पहले प्रधानमंत्री को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से हाथ मिलाते हुए देखा गया और दोनों नेताओं ने एक-दूसरे को मुस्कान के साथ बधाई दी। पीएम मोदी ने ट्विटर पर कहा कि उन्होंने संक्षिप्त चर्चा की।

भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी इस समय 17वें G20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए बाली गये हैं। भारत की उपस्थिति को चिह्नित करते हुए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी 14 नवंबर को इंडोनेशियाई द्वीप बाली पहुंचे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऊर्जा आपूर्ति पर किसी तरह के प्रतिबंध को बढ़ावा नहीं देने की जरूरत को मंगलवार को रेखांकित किया और स्थिरता सुनिश्चित करने का आह्वान करते हुए एक बार फिर कूटनीति के जरिए यूक्रेन विवाद को सुलझाने पर जोर दिया। मोदी ने वार्षिक जी20 शिखर सम्मेलन के एक सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन, कोविड-19 वैश्विक महामारी और यूक्रेन संकट के कारण उत्पन्न वैश्विक चुनौतियों ने दुनिया में तबाही मचा दी है और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला ''चरमरा'' गई है।

प्रधानमंत्री ने यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के मद्देनजर रूसी तेल व गैस की खरीद के खिलाफ पश्चिमी देशों के आह्वान के बीच ऊर्जा आपूर्ति पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाने का आह्वान किया। खाद्य व ऊर्जा सुरक्षा पर बुलाए सत्र में मोदी ने कहा, '' भारत की ऊर्जा-सुरक्षा वैश्विक विकास के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। हमें ऊर्जा की आपूर्ति पर किसी प्रतिबंध को बढ़ावा नहीं देना चाहिए और ऊर्जा बाजार में स्थिरता सुनिश्चित की जानी चाहिए।'' इस सत्र में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव सहित कई विश्व नेताओं ने हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि भारत स्वच्छ ऊर्जा और पर्यावरण के लिए प्रतिबद्ध है।

इंडोनेशिया के बाली में हो रहे शिखर सम्मेलन में उन्होंने कहा, '' 2023 तक हम अपनी जरूरत की आधी बिजली का उत्पादन नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से करेंगे। समावेशी ऊर्जा परिवर्तन के लिए विकासशील देशों को समयबद्ध और किफायती वित्त व प्रौद्योगिकी की सतत आपूर्ति की जरूरत है।'' प्रधानमंत्री मोदी ने चुनौतीपूर्ण वातावरण के बीच जी20 के नेतृत्व के लिए इंडोनेशिया की तारीफ की। मोदी ने कहा, '' जलवायु परिवर्तन, कोविड-19 वैश्विक महामारी तथा यूक्रेन संकट और उससे उत्पन्न वैश्विक चुनौतियां.. इन सभी ने मिलकर दुनिया में तबाही मचा रखी है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं चरमरा गई हैं।'' प्रधानमंत्री ने कहा, '' पूरी दुनिया में आवश्यक सामान का संकट है। हर देश के गरीब नागरिकों के लिए चुनौतियां अधिक हैं। उनके लिए रोजमर्रा की जिंदगी पहले से ही एक संघर्ष थी।''

एमसीडी चुनाव : दिल्ली में छोटी राजनीतिक पार्टियां बिगाड़ सकती हैं आप और बीजेपी का खेल

राजधानी दिल्ली में हो रहे इस बार के एमसीडी चुनाव में बड़ी संख्या में छोटे राजनीतिक दलों की एंट्री के बाद मुकाबला बेहद दिलचस्प होता दिख रहा है। जेडीयू, शिरोमणि अकाली दल (बादल) एआईएमआईएम और बीएसपी के अलावा अन्य छोटे राजनीतिक दलों की ओर से प्रत्याशियों को एमसीडी चुनाव दंगल में उतारने से बड़े राजनीतिक दल बीजेपी और आप को सीधे वोट शेयर के मामले में नुकसान उठाना पड़ सकता है।

जदयू की नजर बिहार और पूर्वांचलियों पर ‐ जनता दल यूनाइटेड के दिल्ली अध्यक्ष दयानंद राय ने बातचीत के दौरान बताया कि इस बार एमसीडी चुनाव में जदयू पूरी ताकत के साथ उतरने जा रही है। दिल्ली जहां पर भी बिहार और पूर्वांचल के लोग बड़ी संख्या में हैं, वहां से जदयू के उम्मीदवार उतारे जाएंगे। दयानंद राय ने स्पष्ट तौर पर कहा कि दिल्ली में चाहे वह आम आदमी पार्टी हो या फिर बीजेपी दोनों पूर्वांचल और बिहार से आने

वाले लोगों की लगातार उपेक्षा करते रहे हैं। जिसका जवाब पूर्वांचल की जनता निगम चुनावों में देगी।

बड़े राजनीतिक दलों के वोट शेयर पर पड़ेगा असर : राजधानी दिल्ली में एमसीडी चुनाव में इस बार आप और बीजेपी के बीच टक्कर मानी जा रही है। दिल्ली की राजनीतिक गलियारे में हाशिए पर पहुंच चुकी कांग्रेस अपने अस्तित्व को बचाने के लिए चुनावी दंगल में उतरने जा रही है। इन सबके बीच एमसीडी चुनाव में छोटे राजनीतिक दलों की बड़े स्तर पर उतरने के साथ मुकाबला और भी दिलचस्प हो गया है। दरअसल 2007, 2012 ओर 2017 के एमसीडी चुनाव नतीजों पर गौर किया जाए तो करीब 30-35 सीटें हर बार ऐसी होती हैं जिनसे इन छोटी पार्टियों के या निर्दलीय उम्मीदवारों की जीत होती है।

तकरीबन इतनी ही सीटें ऐसी होती हैं जहां ये छोटी पार्टियां आप, बीजेपी और कांग्रेस के लिए टोटल वोट शेयर के मामले में परेशानी पैदा करती हैं। एआईएमआईएम, आजाद समाज पार्टी, जनता दल यूनाइटेड, शिरोमणि अकाली दल (बादल), बहुजन समाज पार्टी, एमसीपी जैसे कई छोटे राजनीतिक दल दिल्ली के एमसीडी चुनाव में अपने उम्मीदवारों को उतारने जा रहे हैं। जिसका सीधा असर वोट शेयर पर पड़ सकता है। दरअसल एमसीडी के चुनाव में हर वार्ड में हार-जीत का अंतर कुछ सौ वोट से लेकर कुछ हजार वोट का होता है। ऐसे में बड़ी संख्या में छोटे राजनीतिक दलों के चुनावी दंगल में उतरने से न सिर्फ हार-जीत के अंतर पर असर पड़ेगा बल्कि बड़े राजनीतिक दलों आप और बीजेपी के वोट शेयर पर इसका सीधा असर पड़ना तय माना जा रहा है।

ओवैसी की एआईएमआईएम ने किया है गठबंधन : पिछले कुछ समय से देश में कहीं भी हो रहे चुनाव में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही है और उसे सफलता भी मिल रही है। इस बार दिल्ली के एमसीडी चुनाव में एआईएमआईएम पहली बार अपनी किस्मत आजमाने जा रही है। कलीमुल हफीज ने बातचीत में बताया कि इस बार एआईएमआईएम आजाद समाज पार्टी के साथ गठबंधन में मिलकर दिल्ली के अंदर एमसीडी का चुनाव लड़ने जा रही है। 68 सीटों पर जहां एआईएमआईएम अपने उम्मीदवार उतारेगी वही 32 सीटों पर आजाद समाज पार्टी अपने उम्मीदवार उतारेगी। कुल 4 सीटों पर एआईएमआईएम अपने उम्मीदवारों के नाम की घोषणा भी कर चुकी है। एआईएमआईएम इस बार ज्यादातर मुस्लिम बहुल इलाकों में चुनाव लड़ने जा रही है। जहां आम आदमी पार्टी की अच्छी पकड़ है वहां एआईएमआईएम सेंधमारी करने की पूरी कोशिश करेगी।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक जितेंद्र तिवारी द्वारा इंप्रेशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18/19/20, सी ब्लॉक, सेक्टर 59, नोएडा, उ.प्र.-201301 से मुद्रित तथा ई 632/7 सी संगम विहार साउथ दिल्ली -110080 से प्रकाशित। प्रकाशित लेखों से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र दिल्ली होगा। प्रधान संपादक : **जितेंद्र तिवारी** प्रबंध संपादक : **राजेश तिवारी**
RNI NO.: DELHIN/2016/70363 Email:tarkasnews@gmail.com Mob:9990170069 Website: www.rajneetiktarkas.in

राजनीतिक तरकस
देश का सबसे तेज साप्ताहिक
राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार
वर्ष : 01 , अंक : 08, नई दिल्ली, बुधवार, 16 नवम्बर , 2022

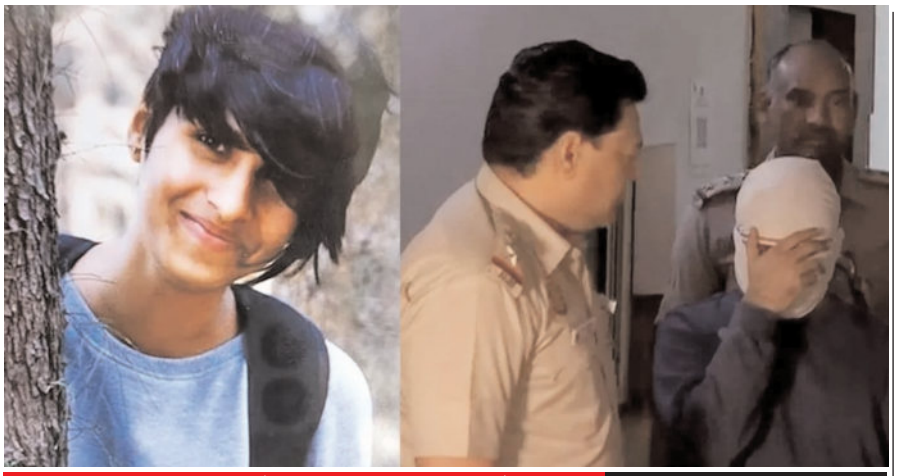

लव, हेट और हत्या

दक्षिण दिल्ली के महरौली में लिव इन रिलेशन में रह रही युवती श्रृद्धा वाकर (26) की हत्या के मामले में एक और सनसनीखेज खुलासा हुआ है। आरोपी युवक आफताब अमीन पूनावाला (28) ने श्रद्धा के शव के टुकड़े चार जगह पर डाले थे। आरोपी आफताब पूनावाला को जंगल में लाया गया जहां उसने कथित तौर पर श्रद्धा के शरीर के कुछ हिस्सों को ठिकाने लगा दिया।

घर में हमेशा अगरबत्ती जलाकर रखता था

आरोपी आफताब को पता था कि शव को घर में रखने से बदबू आएगी। इस कारण वह घर में हमेशा अगरबत्ती जलाकर रखता था। वह पूरे घर में अगरबत्ती जलाता था। इसके अलावा उसे रूम फ्रेशनर भी इस्तेमाल करता था। इस तरह उसने करीब 22 दिन में काफी रूम फ्रेशनर खाली कर दिए थे।

श्रद्धा के शव के टुकड़े हड्डियों में मिल रहे हैं

महरौली पुलिस ने आफताब को कोर्ट में पेश कर पांच दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है, ताकि श्रद्धा के शव के टुकड़ों को ढूंढा जा सके और पूरी साजिश का पर्दाफाश किया जा सके। पुलिस को सोमवार शाम कर श्रद्धा के शव के करीब 13 टुकड़े मिल गए है। सभी टुकड़े हड्डियों मे रूप में मिल रहे हैं। शव के टुकड़े गल गए और जानवरों ने नोंच लिया है। आरोपी ने जहां शव के टुकड़े फेंके वहां से काफी दूरी पर मिल रहे हैं।

आफताब के सोशल मीडिया अकाउंट खंगाल रही पुलिस

दिल्ली पुलिस आफताब के अन्य साथियों से संपर्क करने का प्रयास कर रही है। आफताब के सोशल मीडिया अकाउंट को खंगाला जा रहा है। उनके पिछले संबंधों का विश्लेषण किया जा रहा है। श्रद्धा के साथ संबंध होने से पहले उसके चार दोस्तों से संपर्क किया जाएगा।

फोन की आखिरी लोकेशन ट्रेस कर रही पुलिस

आफताब ने श्रद्धा का फोन फेंक दिया, फोन की आखिरी लोकेशन ट्रेस की जा रही है ताकि उसे बरामद किया जा सके। पुलिस श्रद्धा के शव को टुकड़ों में काटने के लिए इस्तेमाल किए गए हथियार की तलाश कर रही है।

हत्या के बाद 35 टुकड़े, 18 दिन तक हर रात 2 बजे कटे अंगों को महरौली के जंगलों में फेंकता रहा आफताब

आफताब को जंगल लेकर पहुंची पुलिस

आरोपी आफताब पूनावाला को जंगल में लाया गया, जहां उसने कथित तौर पर श्रद्धा के शरीर के कुछ हिस्सों को ठिकाने लगा दिया। वहीं, श्रद्धा के पिता ने लव जिहाद पर शक जताया है। उन्होंने आफताब के लिए मौत की सजा की मांग की है।

पुलिस ने आफताब और वाकर के कॉमन फ्रेंड को पूछताछ के लिए बुलाया

पुलिस ने आफताब पूनावाला और श्रद्धा वाकर के एक कॉमन फ्रेंड को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। यह वह दोस्त है जिसने श्रद्धा के पिता को उसके सम्पर्क-वर्जित होने के बारे में सूचित किया था।

हम आफताब के लिए मौत की सजा की मांग करते हैं:श्रद्धा के पिता

उधर, श्रद्धा के पिता विकास वॉकर ने कहा कि हम आफताब के लिए मौत की सजा की मांग करते हैं। मुझे भरोसा है दिल्ली पुलिस पर और जांच सही दिशा में आगे बढ़ रही है। श्रद्धा अपने चाचा के करीब थीं, मुझसे ज्यादा बात नहीं करती थीं। मैं कभी भी आफताब के संपर्क में नहीं था। मैंने वसई में पहली शिकायत दर्ज कराई।

जिसकी कोई वारंटी नहीं, वह दे रहा गारंटी, भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने केजरीवाल पर कसा तंज

सवांददाता

बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेंस कर बीते दिन तेलंगाना में गिरफ्तार हुए दोनों निजी शराब कारोबारियों को मनीष सिसोदिया का बेहद खास और करीबी बताया है। साथ ही यह भी आरोप लगाया कि शराब की आबकारी नीति में बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार हुआ है। 140 नए मोबाइल फोन का प्रयोग शराब की आबकारी नीति के तहत लेनदेन को लेकर किया गया, जिन्हें बाद में नष्ट कर दिया गया। अरविंद केजरीवाल द्वारा दी गई 10 गारंटी को लेकर संबित पात्रा ने कहा कि जिसकी कोई वारंटी तक नहीं है, आज वह व्यक्ति गारंटी दे रहा है।

संबित पात्रा ने कहा कि कल तेलंगाना में शराब की आबकारी नीति में भ्रष्टाचार को लेकर दो बड़ी गिरफ्तारियां हुई है। यह दोनों लोग निजी शराब कारोबारी हैं, जो उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के बेहद खास और करीबी बताए जा रहे हैं। साथ ही जो रिमांड लेटर सामने आया है, उसमें स्पष्ट तौर पर यह बात साफ हो गई है कि 2631 करोड रुपए का नुकसान दिल्ली को आबकारी नीति के चलते हुआ है।

संबित पात्रा ने आगे आरोप लगाते हुए कहा कि शराब की बिक्री को लेकर आप के द्वारा लाई गई नई आबकारी नीति में हुए भ्रष्टाचार और लेन-देन को लेकर 140 नए मोबाइल फोन का प्रयोग किया गया है, जिनकी कीमत 1,20,00,000 रुपए है। यह मोबाइल फोन मनीष सिसोदिया और उनके करीबियों द्वारा प्रयोग किए गए है। इन नए 140 मोबाइल फोन की सहायता से लेनदेन के सभी डिजिटल सबूत को मिटाने का काम मनीष सिसोदिया और उनके करीबियों द्वारा किया गया है। आप की दिल्ली सरकार द्वारा लाई गई शराब की बिक्री को लेकर नई आबकारी नीति को 5 जुलाई 2021 को पब्लिक किया गया था, लेकिन इस पूरी पॉलिसी को इस से एक महीना पहले ही लिख कर दिया।

प्रवक्ता ने बताया कि आबकारी विभाग के अनुसार 3050 कंपनियां ऐसी हैं, जिनके लिए रातों रात लाइसेंस अपलोड करने का काम आबकारी विभाग के द्वारा किया गया। जबकि आबकारी विभाग को सुबह 8:00 बजे से लेकर शाम 8:00 बजे तक काम करना होता है। लेकिन इन लाइसेंस अप लोड करने के लिए रात 10:00 बजे से लेकर सुबह 7:00 बजे तक काम किया गया। बीते दिन दो निजी शराब कारोबारी जो तेलंगाना में गिरफ्तार किए गए हैं, अकेले उनसे 100 करोड़ की एडवांस पेमेंट ली गई थी।

बीजेपी के एमसीडी चुनाव प्रबंधन संयोजक आशीष सूद ने केजरीवाल की 10 गारंटी को एमसीडी चुनाव के मद्देनजर खोखला वादा करार दिया। आशीष सूद ने कहा कि 2020 में अरविंद केजरीवाल के द्वारा जो झुग्गी में रह रहे लोगों को मकान देने का वादा किया था। उसके ऊपर कोई काम दिल्ली सरकार के द्वारा नहीं किया गया ना ही उस गारंटी का इस इस बार कोई जिक्र किया गया है। ना ही अनाधिकृत कॉलोनियों में लोगों को स्वच्छ पानी की सप्लाई देने ओर अन्य सुविधाएं को लेकर गारंटी का कोई जिक्र इस बार अरविंद केजरीवाल ने किया है। जबकि पिछली बार विधानसभा चुनाव में इस बात का जिक्र भी किया गया था।

मनी लॉन्ड्रिंग केस: अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज की अंतरिम जमानत 15 नवंबर तक बढ़ी

बॉलीवुड अभिनेत्री जैक्लिन फर्नांडीज को पटियाला हाउस कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। महाठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ के मनी लांड्रिंग मामले में आरोपित अभिनेत्री जैक्लिन फर्नांडीज को कोर्ट ने गिरफ्तारी पर 15 नवंबर तक के लिए सुरक्षा दे दी है।

अदालत अब अभिनेत्री की जमानत याचिका पर 15 नवंबर को फैसला सुनाएगी। 10 नवंबर को कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनने का बाद निर्णय सुरक्षित रख लिया था। बता दें कि गुरुवार को प्रवर्तन निदेशालय ने पटियाला हाउस कोर्ट में

सुनवाई के दौरान तर्क रखा कि जब मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े सभी आरोपित जेल में बंद हैं तो जैक्लिन फर्नांडीज को जमानत क्यों दी जाए। प्रवर्तन निदेशालय ने अभिनेत्री की जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा कि उन्होंने देश से भागने की कोशिश की। इस दौरान उन्होंने जांच में सहयोग भी नहीं किया। ऐसे में अभिनेत्री को जमानत नहीं मिलनी चाहिए। फिलहाल अभिनेत्री को मनी लॉड्रिंग मामले में अंतरिम जमानत मिली हुई है। उनपर महाठग सुकेश चंद्रशेखर से करोड़ों के गिफ्ट्स लेने का आरोप है। सुकेश की सच्चाई जानने के बावजूद जैक्लिन ने उससे नजदीकी बनाई रखी। बताया जाता है कि सुकेश पहले नोरा फतेही से शादी करना चाहता था। बात नहीं बनने पर उसकी निगाहें जैक्लिन फर्नांडीज पर ठहर गईं थी। जैक्लिन शादी करने के लिए तैयार हो गई थी। जैक्लिन ने यह बात अभिनेता सलमान खान व अक्षय कुमार को भी बताई थी। जिससे सुकेश, पिंकी के माध्यम से जैक्लिन को खूब गिफ्ट भेजता रहा। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने कोर्ट को बताया कि अभिनेत्री ने इस बात को स्वीकारा है और उन्होंने सबूतों से छेड़छाड़ करने, सबूत मिटाने के लिए अन्य लोगों से कहा था।

राजनीतिक तरकस
राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार
वर्ष : 01, अंक : 08, नई दिल्ली, बुधवार, 16 नवम्बर, 2022

फिर शुरू हुई सपनों की दिल्ली बनाने की दौड़

अभय तिवारी
(वरिष्ठ पत्रकार)

चमचमाती दिल्ली, साफ दिल्ली, प्रदूषण मुक्त दिल्ली, कचरा मुक्त दिल्ली, हर गरीब के लिए मकान वाली दिल्ली, कूड़ा करकट से मुक्त सिंगापुर जैसी चमचमाती सड़कों वाली दिल्ली, लंदन जैसी पीने के लिए साफ पानी की उपलब्धता वाली दिल्ली, साफ यमुना वाली दिल्ली यानी दिल्ली में वह सब कुछ जिसे आप सोते हुए अपने सपनों में देखते हैं। दिल्ली के बाजारों में ग्राहकों को लुभाने के लिए साल भर चलने वाले सेल की तरह जब इस तरह के लोकलुभावन वादे और नारे गूंजने लगे तो समझ लीजिए कि चुनाव का सीजन आ गया है। आप सही समझ रहे हैं देश की दूसरी सबसे साधन संपन्न, धनी नगर निगमों में गिनी जाने वाली दिल्ली नगर निगम 2022 के चुनाव की मुनादी हो चुकी है।

गुजरात के साथ ही दिल्ली के नगर निगम के चुनाव कराए जाने की पहले से चल रही अटकलों पर मुहर लगाते हुए राज्य निर्वाचन आयोग ने एकीकृत दिल्ली नगर निगम के चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी। तीनों नगर निगमों के एकीकरण के बाद से पहली बार होने जा रहे नगर निगम चुनाव की अधिसूचना 4 नवंबर को जारी कर दी। इस बार 4 दिसंबर को जनता दिल्ली की छोटी सरकार का चुनाव करेगी। जबकि नामांकन की प्रक्रिया 7 नवंबर से शुरू हो कर के 14 नवंबर तक चलेगी और इसके नतीजे हिमाचल और गुजरात विधानसभा चुनाव के साथ 7 दिसंबर को घोषित किए जाएंगे।दिल्ली नगर निगम के ताजा परिसीमन के मुताबिक, इस बार 250 सीटों पर मतदान होगा। दिल्ली नगर निगम के एकीकरण के बाद 272 की जगह 250 वार्ड हो गए हैं। 250 वार्ड में से 104 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हैं अनुसूचित जाति के लिए की 42 सीटें आरक्षित हैं, जिनमें 21 महिला और 21 पुरुष सीटें हैं।

तय हो गए रण के दावेदार

नगर निगम के चुनाव की टाइमिंग को लेकर के आरंभिक दौर में खास करके दिल्ली की सत्ताधारी आम आदमी पार्टी और भाजपा के आरोप-प्रत्यारोप के चले दौर के बाद इन चुनाव के सभी प्रमुख खिलाड़ियों ने अपने अपने दावेदारों के नाम तय कर दिए हैं। देखा जाए तो इन चुनावों में मुख्य मुकाबला दिल्ली की नगर निगम की सत्ता पर लगभग डेढ़ दशक से काबिज भाजपा दिल्ली के सत्ताधारी आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच होने की उम्मीद है परंतु दलित और मुस्लिम वोट बैंक में सेंधमारी के लिए चुनाव मैदान में पहली बार दलित मुस्लिम गठजोड़ करके चुनावी मैदान में कुदने वाली असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम और चंद्रशेखर रावण की पार्टी आसपा मुस्लिम का दांव सही बैठता है तो दिल्ली में या मुकाबला पहली बार चतुष्कोणीय हो सकता है। मीम-भीम के इस गठबंधन ने मुस्लिम एवं दलित बहुल इलाकों की 116 सीटों पर अपने उम्मीदवार तय कर दिए हैं। भाजपा ने इस बार भी एंटी इनकंबेंसी से निपटने के लिए इस बार भी बड़ा उलटफेर करते हुए पिछली बार की 181 में से केवल अपने 41 मौजूदा पार्षदों पर भरोसा जताते हुए उन्हें दोबारा से मैदान में उतारा है जबकि 11 ऐसे उम्मीदवार है जो इससे पहले पार्षद रह चुके हैं। इन 52 उम्मीदवारों को छोड़ दिया जाए तो भाजपा की सूची में इस बार भी सभी नए उम्मीदवार देखने को मिले हैं। इसी तरह दिल्ली की छोटी सरकार की सत्ता से अब तक दूर रही दिल्ली की सत्ताधारी आम आदमी पार्टी ने कई दौर के सर्वेक्षणों, जनता से सीधी रायशुमारी, और विचार मंथन के बाद ऐसे उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है जिनकी छवि स्वच्छ रही है ताकि वह अपने भ्रष्टाचार मुक्त ईमानदारी के अपने दावे को पुख्ता कर सकें। इनमें से कई तो अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत ही इन चुनावों से कर रहे हैं। लेकिन इस मुकाबले के तीसरे दावेदार कांग्रेस की हालत अपने दोनों प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले कुछ पतली सी दिख रही है। दिल्ली और केंद्र की सत्ता से लंबे समय से दूर चल रही कांग्रेस में उसके महासचिव राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के बावजूद भी उत्साह नहीं भर पा रहा है। आप और भाजपा को चुनौती देने के सपने देख रहे कांग्रेस लेकिन करके नामांकन के आखिरी समय में अपने उम्मीदवार किसी तरह से तय कर सकी है। चुनाव से पहले कांग्रेस के इस ढलमुल रवैया को लेकर उसके समर्थकों और नेताओं में एक अजीब सी कशमकश की स्थिति बनी हुई है।

कूड़ा मुक्त बनाम जहां झुग्गी वही मकान

चुनाव हैं तो वादे भी होंगे। एक तरफ निगम की सत्ता पर काबिज भाजपा ने दिल्ली को स्लम मुक्त करने के लिए जहां 10 बिंदुओं वाला अपना वचन पत्र लाई है वहीं दूसरी तरफ दिल्ली को कूड़ा मुक्त, एमसीडी को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिए केजरीवाल की अगुवाई वाली आम आदमी पार्टी ने वोटरों को लुभाने के लिए गारंटी पत्र पेश किया है।

अरविंद केजरीवाल ने आपका गारंटी पत्र जनता के सामने रखते हुए कहा कि भाजपा पहले 'शपथ पत्र' लेकर आई थी, फिर उसे कूड़े में फेंक दिया। अब ये 'वचन पत्र' लेकर आएं हैं, इसे भी 7 दिसंबर को नतीजों के बाद कूड़े में फेंक देंगे। भाजपा ने केंद्र से धन लाने, दिल्ली को कचरा मुक्त बनाने का वादा किया था लेकिन किया कुछ नहीं। केजरीवाल ने दावा किया कि नगर निगम में इस बार भाजपा की 20 से भी कम सीटें आयेंगी, कहो तो लिख कर दे देता हूं।

आपने दिल्ली के तीनों लैंडफिल साइट ओ का विशेषज्ञों से सर्वे कराकर के इसकी साफ सफाई करने, एमसीडी के कर्मचारियों की तनख्वाह समय से देने और ठेके पर रखे गए कर्मचारियों को स्थाई करने का प्रमुख रूप से वादा किया है।

वहीं नगर निगम की सत्ता पर डेढ़ दशक से काबिल भाजपा केजरीवाल के वादों को उनकी ही तरह झूठा बताते हुए अपना 10 बिंदुओं वाला वचन पत्र पेश किया है। भाजपा का वचन पत्र रखते हुए दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि या मोदी की भाजपा है जो कहती है वह करती है हमने 370 हटाने का वादा किया था हटा दिया राम मंदिर बनाने का वादा किया था राम मंदिर बना दिया यह तो एक तो उदाहरण है हम जो कहते हैं उसे हम पूरा करते हैं। यदि अबकी बार हम सत्ता में आए तो दिल्ली के हर घर को पीने के लिए स्वच्छ जल उपलब्ध होगा। झुग्गियों में रहने वाले लोगों को सुविधाओं से संपन्न फ्लैट दिए जाएंगे। दिल्ली को स्वच्छ शहर बनाया जाएगा और प्रदूषण से मुक्त किया जाएगा। एमसीडी के स्कूल और अस्पताल को विश्वस्तरीय सुविधा प्रदान की जाएगी।दिल्ली को भ्रष्टाचार मुक्त किया जाएगा। दिल्ली को हम आप निर्भर की जगह आत्मनिर्भर बनाएंगे। वहीं चुनाव की तीसरी प्रमुख दावेदार कांग्रेस ने अभी तक अपना चुनावी घोषणा पत्र लोगों के समक्ष नहीं रखा है।

ऐसे में अब यह देखना रोचक रहेगा कि दिल्ली की जनता भाजपा परिवार पर से भरोसा जताती है या केजरीवाल की बातों पर भरोसा करके उन्हें नगर निगम में एक मौका देती है या फिर निगम की सत्ता वर्षों बाद पहली बार त्रिशंकु होती है।

(पृष्ठ ›› 1 का शेष)

जे एन यू कहे महाभारत की कहानी विज्ञान की जुबानी

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय दिल्ली के कुलगुरू प्रो शांतिश्री धूलिपुड़ी पण्डित ने अपने संबोधन में कहा कि विज्ञान की कसौटी पर एक आदिकाल के महाकाव्य महाभारत को जांचने का काम सरोज जी ने किया है जिसकी हम प्रशंसा करते हैं। महाभारत के एक-एक पात्रों ने हमें जीवन दर्शन सिखाया है। कुलगुरू ने कहा कि जे एन यू में आज सरोज बाला की पुस्तक का विमोचन करते हुए उन्हें बडे ही हर्ष की अनुभूति हो रही है। उन्होंने बताया कि अभी तक पश्चिम के देश ही भारतीय इतिहास के बारे खुद को पारंगत समझ रहे थे पर आज अपने देश के कई कथाकार सामने आए हैं और अपनी चीजों का बेहतर और सटीक वर्णन कर रहे हैं। जे एन यू को देश और दुनिया का टॉप यूनिवर्सिटी बनने पर कुलगुरू ने सभी को बधाई दी और मंच पर उपस्थित एडवोकेट सीमा कुशवाहा की तारीफ की जिन्होंने बहुचर्चित निर्भया कांड की लड़ाई बड़े ही साहस के साथ लड़ा था। उन्होंने कहा कि द्रौपदी प्रथम फेमिनिस्ट थी जिन्होंने अपनी दृढ़ता का परिचय दिया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ सुभाष सरकार ने मंत्रोच्चार से अपना संबोधन आरंभ किया। उन्होंने इस पुस्तक की रचयिता सरोज बाला की उनकी पुस्तक के लिए बधाई देते हुए इसे एक मंत्र बताया जो आने वाले दिनों में लोगों के लिए एक नजीर पेश करेगी। उन्होंने कहा कि आज विश्व में युद्ध और शांति पैदा करने के लिए यू एन ओ जैसी संस्था है पर महाभारत काल में युद्ध विराम होते ही कोई शस्त्र नहीं उठाता था। निहत्थे लोगों पर कोई वार नहीं करता था। यह एक उच्च मानक उनलोगों ने खुद के लिए तैयार किया था। इसलिए इस किताब में समाज शास्त्र, दर्शन शास्त्र, खगोल शास्त्र, भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र जैसे सभी शास्त्रों का सार उपलब्ध है जिसे हमें जन-जन तक पहुंचाना है। वस्तुतः यह एक महासागर है। इसमें हमारे लेखक और साहित्यकारों की अग्रिम भूमिका हो सकती है। जहां तक महाभारत की कहानी विज्ञान की जुबानी का तात्पर्य है मंत्री महोदय ने कुरूक्षेत्र में भगवान कृष्ण द्वारा अर्जुन को गीता का सार समझाने वाले दिन का उल्लेख करते हुए कहा कि पुस्तक में उस काल खंड को प्रामाणित करने के पुख्ता सबूत पेश किए गए हैं। आजादी के अमृत काल में उन्होंने उपस्थित तमाम गणमान्य लोगों को बधाई देते हुए कहा कि हमें अपनी महान सभ्यता संस्कृति पर गर्व है जो हमें जीवन मूल्यों के प्रति प्रेंरित करते हैं। होलिस्टिक एजुकेशन की चर्चा करते हुए शिक्षामंत्री ने राष्टीय शिक्षा नीति का उल्लेख किया। इसी बीच यह बताया गया कि आज से लगभग 40 वर्ष पूर्व स्कूलों में रामायण और महाभारत पढ़ाई जाती थी। अतः यदि इसमें वैज्ञानिक आधार जोड दिया जाय तो इसका व्यावहारिक पालन भी किया जा सकता है जिसके जवाब में मंत्री महोदय ने कहा कि आपकी बात नोट कर ली गई है। साथ ही इस बात की भी चर्चा की गई कि देश की लगभग 12 ये 15 यूनीवर्सिटीज में हिंदू स्टडीज की जा रही है जिसे जे एन यू में भी प्रस्तावित किया जाएगा। सभा के अंत में पुस्तक की लेखिका सरोज बाला ने सभी का धन्यवाद करते हुए अपने शोध कार्य में सहायक रहे महानुभावों को सम्मान भी किया।

राजनीतिक तरकस
देश का सबसे तेज साप्ताहिक
राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार
वर्ष वर्ष : 01 , अंक : 08, नई दिल्ली, बुधवार, 16 नवम्बर , 2022

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने किया पृथ्वी राज चौहान की प्रतिमा का अनावरण

पृथ्वीराज चौहान ने जनता के दिलों पर किया था राज : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

दिल्ली ब्यूरो
Rajneetiktarkas.in

हरियाणा संस्कारों, वीरता और गौरवमयी इतिहास की धरा है। यह प्रदेश पूरी दुनिया को संस्कृति का संदेश देता है। वीर भूमि को प्रणाम करता हूं। जो त्याग की प्रेरणा व शौर्य के बलिदान का प्रतीक है। सम्राट पृथ्वीराज चौहान, राव तुलाराम जैसे महान वीर सपूतों की प्रतिमाएं हमें जीवन में आगे बढ़ने की सीख देती हैं। हरियाणा की हवाओं में वीरता तैरती है।

देश ही नहीं विदेशों में ये बात मानी जाती है। हरियाणा के हर गांव में हमारे सैनिकों की कहानी है। यह बात रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कही। उन्होंने रविवार को झज्जर के गांव कुलाना में सम्राट पृथ्वीराज चौहान की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद विशाल जनसमूह को संबोधित किया। समारोह के दौरान मुख्यमंत्री मनोहर लाल और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ ने रक्षामंत्री का स्वागत किया।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हरियाणा का गौरवशाली इतिहास सदैव दूसरों के लिए अनुकरणीय रहा है। आज दुनिया में भारत की अतुलनीय पहचान कायम हुई है। 2047 विजन के साथ भारत अमेरिका व चीन को पीछे छोड़ते हुए नंबर वन बनने की ओर अग्रसर है। रक्षामंत्री ने कहा कि झज्जर जिले के मातनहेल में सैनिक स्कूल की फिजिबिलिटी देखी जाएगी और जो भी संभव होगा इस दिशा में कदम उठाए जाएंगे।

उन्होंने विश्वास दिलाया है कि इस दिशा में सक्रियता से काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में हरियाणा देश के विकास में सहभागी बन रहा है। इस दौरान उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल की तारीफ की। उन्होंने कहा कि राजनीति के शिखर पर होने के बावजूद वे बेदाग हैं। ऐसे बहुत कम नेता देखने को मिलते हैं।

100 करोड़ की लागत से सड़कों का होगा सुंदरीकरण : मनोहर लाल

प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि राजपूत सभा झज्जर के वित्तीय मामले का हल निकाला जाएगा। उन्होंने भवन के लिए भी 21 लाख रुपये देने की घोषणा की। इस दौरान उन्होंने जिले की लोक निर्माण विभाग की सड़कों के सुंदरीकरण एवं नवीनीकरण के लिए 100 करोड़ रुपये के बजट को स्वीकृति देने की घोषणा की। इसके साथ ही नई पंचायतों में मांग के अनुसार 100 करोड़ रुपये के बजट को स्वीकृति प्रदान की। उन्होंने कहा कि झज्जर में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के सेक्टर-6 और सेक्टर-9 को विकसित किया जाएगा। क्षेत्र में करीब दस हजार एकड़ भूमि में जलभराव की समस्या को दूर किया जाएगा।

वीरों की गौरवगाथा युवा शक्ति के लिए प्रेरणा : ओपी धनखड़

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री मनोहर लाल का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि देश में हरियाणा और झज्जर जिला शौर्य की गौरवगाथा के साथ युवा शक्ति को देशभक्ति की प्रेरणा दे रहा है। गांव-गांव वीर भूमि और अनगिनत शौर्य गाथा समेटे है। देश की सेनाओं में हरियाणा की 10 प्रतिशत की भागीदारी है, जबकि बलिदान में हमारी 25 प्रतिशत भागीदारी है। प्रधानमंत्री मोदी और रक्षामंत्री राजनाथ का बदला हुआ भारत है, जो दुश्मन के घर जाकर मारता है। आज का भारत दूसरे देशों को हथियार देने वाला है।

चीन का मॉडल भारत के अनुकूल नहीं

भले ही चीन में खास तरह की बहुत मैन्युफैक्चरिंग हो रही हो, लेकिन वह देश उच्च स्तर का नवोन्मेषी देश नहीं बन सका है। उसकी छवि एक सीमित सस्ते उत्पादक देश की ही है।

सवांददाता

मध्य चीन में स्थित फॉक्सकॉन की फैक्ट्री से भयावह कहानियां सामने आ रही हैं। यह कंपनी एप्पल आईफोन बनाने वाली सबसे बड़ी कंपनी है। मध्य चीन में फिर से कोरोना फैल रहा है। रिपोर्टों में बताया जा रहा है कि काम करने वाले लोग फैक्ट्री से भाग रहे हैं। कोविड संक्रमण रोकने के नाम पर कड़े नियम लागू किये गये हैं और लोगों को क्वारंटाइन किया जा रहा है, लेकिन कामगारों की शिकायत है कि अकेले रखे गये लोगों को खाने-पीने की वस्तुओं की आपूर्ति कम हो रही है तथा चिकित्सा व्यवस्था भी ठीक नहीं है।

इस संयंत्र परिसर में लगभग दो लाख लोग रहते हैं। उन्हें पहले से ही कई परेशानियां थीं, जो अब और बढ़ गयी हैं। भाग रहे कामगारों को वापस बुलाने की कोशिश हो रही है, पर वे बोनस प्रस्तावों को आम तौर पर ठुकरा दे रहे हैं। कथित रूप से परिसर

में फिल्माये गये एक वीडियो में दिखाया गया है कि एक कमरे में अलग रहे गये कामगारों की मौत हो गयी है, जबकि फॉक्सकॉन का कहना है कि वहां कोई मौत नहीं हुई है। अनेक मुश्किलों से जूझते कामगारों की ऐसी कई खबरें आयी हैं।

वे खबरें भारत के लिए अहम हैं क्योंकि फॉक्सकॉन और कुछ अन्य कंपनियां 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के अंतर्गत दिये गये प्रस्तावों से आकर्षित होकर भारत में संयंत्र लगा रही हैं। वेदांता और फॉक्सकॉन का एक संयुक्त उपक्रम गुजरात के अहमदाबाद में स्थापित हो रहा है, जहां एक सेमीकंडक्टर फैब इकाई, एक डिस्प्ले फैब इकाई तथा एक सेमीकंडक्टर एसेंबली व टेस्टिंग इकाई लगायी जायेगी। वेदांता ने कहा है कि इस परियोजना में कुल डेढ़ लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश होगा तथा इससे करीब एक लाख लोगों को रोजगार मिलेगा।

यह सही है कि भारत को निवेश और रोजगार बढ़ाने के लिए त्वरित कदम उठाने की जरूरत है। लेकिन यहां यह सवाल भी उठता है कि क्या भारत को भी चीन की तरह वैसी बड़ी-बड़ी फैक्ट्रियां स्थापित करनी चाहिए, जहां मामूली वेतन की निम्न स्तर की नौकरियां हों। ऐसी फैक्ट्रियों में ज्यादातर काम असेंबली का होता है। मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के मामले में चीन का खराब रिकॉर्ड रहा है। मजदूर संगठनों का अस्तित्व न के बराबर है और स्थानीय प्रशासन कारोबारी मांगों पर ही अधिक ध्यान देता है, ताकि अधिक निवेश आ सके।

इसी कारण चीन निम्न स्तरीय मैन्युफैक्चरिंग नौकरियों के लिए आकर्षक गंतव्य बना हुआ है। वहां नौकरी खोजने वालों की बहुत बड़ी संख्या है, इसका मतलब है कम वेतन, कामगारों की कमजोर सुरक्षा तथा मजदूरों से जबरदस्ती काम लेना। यही कारण है कि कामगारों को वहीं रहना पड़ता है, जहां कंपनी चाहती है। आम तौर पर कमरे छोटे-छोटे होते हैं तथा मामूली सुविधाएं मिलती हैं। उन्हें लगातार काम करना पड़ता है ऐसे में कई कामगार आत्महत्या करने के लिए मजबूर हो जाते हैं। भारत को कंपनियों को बुलाने से पहले रोजगार सृजन के इस मॉडल का गंभीरता से अध्ययन करना चाहिए। यह मॉडल भारत जैसे देश में एकदम अनजानी व्यवस्था को स्थापित करेगा, जहां छोटे और मझोले उद्यम अर्थव्यवस्था में भारी योगदान करते हैं। यह बात भी सही है कि छोटे और मझोले उद्यम हमेशा अच्छे रोजगार प्रदाता या गुणवत्तापूर्ण उत्पादक नहीं होते,

पर आर्थिक वृद्धि का विस्तारित मॉडल उस मॉडल से बिल्कुल अलग है, जिसमें बड़े उद्योगों, बड़ी फैक्ट्रियों और ऊपर से आती समझ से विकास निर्देशित होता है, जो तुरंत रोजगार देने का वादा तो करता है, पर आम तौर पर दीर्घकालिक परेशानियां ही पैदा करता है। अमेरिका में विस्कॉन्सिन में फॉक्सकॉन का उपक्रम नहीं लग सका और मिल्वाकी में एक सरकारी रिपोर्ट में कंपनी के कामगार सुरक्षा रिकॉर्ड पर सवाल उठाये गये हैं।

इस संदर्भ में बड़े उद्योगों को दी जाने वाली छूट पर रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन की कुछ आलोचनाएं बहुत प्रासंगिक हैं। उन्होंने सही ही रेखांकित किया है कि उत्पादन से संबंधित इंसेंटिव योजनाओं का इस पहलू से ठीक से विश्लेषण नहीं किया गया है कि ये रोजगार सृजन का एक रास्ता हैं। भले ही चीन में खास तरह की बहुत मैन्युफैक्चरिंग हो रही हो, लेकिन वह देश उच्च स्तर का नवोन्मेषी देश नहीं बन सका है। उसकी छवि एक सीमित सस्ते उत्पादक देश की ही है।

राजनीतिक तरकस
देश का सबसे तेज साप्ताहिक
राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार
वर्ष : 01, अंक : 08, नई दिल्ली, बुधवार, 16 नवम्बर, 2022

आखिर हम क्यों नहीं शिक्षा में शीर्ष पर?

शिशिर शुक्ला

हाल ही में टाइम्स हायर एजुकेशन द्वारा जारी की गई ''वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2023 में लंदन स्थित ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय को शीर्ष स्थान प्राप्त हुआ है। चौंकाने वाली बात यह है कि भारत का कोई भी संस्थान शीर्ष 250 रैंकिंग तक किसी भी स्थान पर काबिज नहीं हो सका है, जबकि यदि टॉप 500 की बात की जाए तो इस सूची में भारत के केवल दो संस्थान– भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर एवं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई ही अपनी जगह बना पाए हैं। एशिया के आंकड़ों के अनुसार, शीर्ष 10 में से 5 संस्थान चीन के हैं जबकि भारत का कोई संस्थान शीर्ष 25 में शामिल नहीं हो सका है। और तो और, भारत के संस्थानों की स्थिति में भी गिरावट दर्ज की गई है। शिक्षा के वैश्विक पटल पर भारतीय शिक्षण संस्थानों का पंक्ति में पीछे खड़े होना निश्चित रूप से दुर्भाग्यपूर्ण एवं चिंताजनक विषय है।

यह ध्यातव्य है कि आज 21वीं सदी में भले ही हम अपने विद्यार्थियों को शिक्षा ग्रहण करने हेतु अमेरिका, कनाडा, जर्मनी, ताइवान, लंदन इत्यादि विभिन्न स्थानों पर भेजते हों, किंतु कभी एक समय ऐसा भी था जब हम शिक्षा के क्षेत्र में जगतगुरु थे। इतिहास बताता है कि विश्व के प्राचीनतम एवं विशालतम विश्वविद्यालय भारत में विद्यमान थे। ये ऐसे विश्वविद्यालय थे जहां पर शिक्षा का अमृतपान करने संपूर्ण विश्व से विद्यार्थी आया करते थे। विश्व का प्राचीनतम माना जाने वाला तक्षशिला विश्वविद्यालय, जो कि विभाजन से पूर्व भारत में स्थित था, शिक्षा का एक अमूल्य केंद्र था। बिहार स्थित नालंदा विश्वविद्यालय के विषय में प्राप्त जानकारी के अनुसार, यहां पर तीन सौ से अधिक शिक्षण कक्ष एवं नौ मंजिला पुस्तकालय था। दस हजार विद्यार्थी यहां विद्या अध्ययन करते थे, जिनको विश्वविद्यालय में प्रवेश हेतु एक उच्च स्तर की प्रवेश परीक्षा को उत्तीर्ण करना पड़ता था। इसके अतिरिक्त बिहार स्थित विक्रमशिला विश्वविद्यालय, गुजरात का वल्लभी विश्वविद्यालय, उड़ीसा का पुष्पगिरी विश्वविद्यालय, बिहार का तेल्हाड़ा विश्वविद्यालय, ओदंतपुरी विश्वविद्यालय, कश्मीर का शारदापीठ विश्वविद्यालय आदि अनेक ऐसे प्रसिद्ध शिक्षा केंद्र थे जहां अध्ययन करना संपूर्ण विश्व के विद्यार्थियों का स्वप्न हुआ करता था। इन सभी शिक्षण संस्थानों में विज्ञान, कला, ज्योतिष, साहित्य, ललितकला आदि विभिन्न विषयों के ज्ञान का अथाह भंडार विद्यमान था। यदि सत्य कहा जाए तो ज्ञान के प्रत्येक पहलू की सरिता का उद्गम भारतवर्ष में ही स्थित था। दुर्भाग्यवश एवं हमारी आंतरिक कमजोरियोंवश, अनेक विदेशी आक्रांताओं ने सोने की चिड़िया कहे जाने वाले भारत को जी भरकर लूटा एवं तहस-नहस किया। दुर्भाग्य व दुर्घटनाओं की दामिनी से शिक्षा जगत में भारत का लहराता हुआ परचम भी अछूता नहीं रह पाया। दुष्परिणाम यह हुआ कि न जाने कितने शिक्षा केंद्र एवं उनमें विद्यमान ज्ञान के अनेक ग्रंथ अग्नि की भेंट चढ़ा दिए गए। यह एक कटुसत्य है कि भारत की जो छवि पहले थी वह संभवतः अब कदापि नहीं बन सकती।

स्वतंत्रता प्राप्ति के उपरांत यद्यपि शिक्षा के क्षेत्र में भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है। किंतु यह भी गौरतलब है कि वैश्विक स्तर पर हमारा प्रदर्शन अभी उस स्तर को नहीं स्पर्श कर पाया है जो कि होना चाहिए। कहीं न कहीं

"शिक्षा मानव के व्यक्तित्व को परिष्कृत व परिमार्जित करती है। किसी समय में हम शिक्षा जगत में संपूर्ण विश्व के गुरु थे किंतु इस आदर्श स्थिति से आज हम बहुत दूर हैं। हमें शिक्षा व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करना होगा। शैक्षणिक संस्थानों की भीड़ एकत्र करने के बजाय हमें गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करते हुए ऐसे संस्थानों पर अंकुश लगाना होगा जो महज शिक्षा के व्यापारीकरण हेतु खोले गए हैं एवं जिनका विद्यार्थी के विकास से लेशमात्र भी लेना देना नहीं है।

इसके पीछे हमारी शिक्षा व्यवस्था ही उत्तरदायी है। यह कहना गलत न होगा कि हमने शिक्षा में मात्रात्मक प्रगति तो की है किंतु गुणात्मक मापदंड पर अभी हम बहुत पीछे हैं। आज भारत में विश्वविद्यालयों एवं अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों की एक अच्छी खासी संख्या मौजूद है किंतु कतिपय चुनिंदा शिक्षण संस्थानों को छोड़कर शेष सभी गुणवत्ता के पैमाने पर बिल्कुल भी खरे नहीं उतरते। शिक्षा के व्यापारीकरण के चलते महज एक भवन खड़ा करके उसे विश्वविद्यालय अथवा महाविद्यालय का रूप तो दे दिया गया है, किंतु प्रयोगशाला, पुस्तकालय, शिक्षकों की संख्या एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं के नाम पर वहां कुछ भी नहीं है। मजे की बात तो यह है कि ये सभी संस्थान जिस उद्देश्य को केंद्रित करके खोले गए हैं, उसमें पूर्णतया सफल होते हुए दिखाई दे रहे हैं, क्योंकि भारत शनैः शनैः विश्व में जनसंख्या की दृष्टि से शीर्ष स्थान पर काबिज होने की ओर अग्रसर हो रहा है। व्यवसायोन्मुखी सोच ने शिक्षा को पंगु बना कर छोड़ दिया है। भारत में मजबूती से अपने पांव पसारकर बैठी निर्धनता एवं दिन-ब-दिन महंगी होती उच्च शिक्षा ने भारत में शिक्षा के स्तर को गिराने में अच्छा खासा योगदान दिया है। आज भारत के 80 प्रतिशत युवा का उद्देश्य केवल डिग्री हासिल करना एवं येन केन प्रकारेण अपनी जीविकोपार्जन हेतु नौकरी पा लेना होता है। शिक्षा को आत्मसात करना, आत्मचेतना के स्तर को उठाना एवं अपनी मौलिक सोच को विकसित करके स्वयं को दक्ष बनाने से वह कोसों दूर है। एक अन्य महत्वपूर्ण बिंदु जिस पर सर्वाधिक ध्यान देने की आवश्यकता है, वह है –दोषपूर्ण पाठ्यक्रम, दोषपूर्ण शिक्षा पद्धति एवं दोषपूर्ण परीक्षा पद्धति। हमारे यहां शिक्षा पद्धति, पाठ्यक्रम एवं परीक्षा पद्धति में भारी सुधार की आवश्यकता है। पाठ्यक्रम को सैद्धांतिक से व्यावहारिक रूप देने की महती आवश्यकता है। पाठ्यक्रम में अनुप्रयोगों एवं शोध का अभाव होने के कारण हमारे यहां एक उत्तम विद्यार्थी भी विषय के सिद्धांतों को तो भली-भांति समझ लेता है किंतु जब उन्ही सिद्धांतों को व्यावहारिक एवं शोधात्मक तरीके से प्रयोग करना होता है तो वह पूर्णतया असफल हो जाता है। दुर्भाग्यवश हमारे यहां विभिन्न शिक्षण संस्थानों में प्रवेश प्रक्रिया की भी अनेक नीतियां हैं , एक तो प्रतिभा एवं परिश्रम के द्वारा एवं दूसरा राजनीति अथवा धन के माध्यम से। जो विद्यार्थी प्रतिभाविहीन किंतु धन से संपन्न हैं, वे धन अथवा राजनीतिक पहुंच के माध्यम से उच्च शिक्षा में प्रवेश पाकर प्रतिभासंपन्न विद्यार्थियों के ही समकक्ष स्थान पा जाते हैं।

शिक्षा मानव के व्यक्तित्व को परिष्कृत व परिमार्जित करती है। किसी समय में हम शिक्षा जगत में संपूर्ण विश्व के गुरु थे किंतु इस आदर्श स्थिति से आज हम बहुत दूर हैं। हमें शिक्षा व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करना होगा। शैक्षणिक संस्थानों की भीड़ एकत्र करने के बजाय हमें गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करते हुए ऐसे संस्थानों पर अंकुश लगाना होगा जो महज शिक्षा के व्यापारीकरण हेतु खोले गए हैं एवं जिनका विद्यार्थी के विकास से लेशमात्र भी लेना देना नहीं है। शोध एवं अनुप्रयोगों को शिक्षा के प्रत्येक स्तर पर सम्मिलित करना होगा। हमें यह ध्यान रखना है कि जब तक शिक्षा को व्यवसाय के रूप में देखा जाएगा एवं शैक्षणिक संस्थानों की गुणवत्ता के स्थान पर मात्रा को महत्व दिया जाएगा, तब तक हम वैश्विक स्तर पर शीर्ष रैंकिंग में कदापि स्थान नहीं पा सकते।

आबकारी नीति : भाजपा ने मुख्यमंत्री केजरीवाल को लाई डिटेक्टर टेस्ट कराने की चुनौती दी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को दिल्ली आबकारी नीति के मुद्दे को लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर फिर से निशाना साधा और उनसे जेल में बंद ठग सुकेश चंद्रशेखर की मांग के अनुसार लाई डिटेक्टर टेस्ट कराकर अपनी ईमानदारी साबित करने को कहा।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कथित घोटाले के मुद्दे पर केजरीवाल पर निशाना साधा और कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री द्वारा निर्देशित लुटेरा फिल्म पिछले आठ वर्षों से राष्ट्रीय राजधानी में चल रही है। वर्ष 2013 में आई रणवीर सिंह अभिनीत फिल्म लुटेरा का जिक्र करते हुए पार्टी ने ट्विटर पर एक पोस्टर भी साझा किया जिसमें उपमुख्यमंत्री

मनीष सिसोदिया को लुटेरा के रूप में दिखाया गया।

एक दिन पहले केजरीवाल ने कहा था कि भाजपा को चंद्रशेखर को अपना राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाना चाहिए क्योंकि वह उसी पार्टी की भाषा बोल रहा है। जिसके बाद पूनावाला का यह बयान आया है। पूनावाला ने कहा, केजरीवाल के पास अपने मंत्रियों सत्येंद्र जैन और कैलाश गहलोत के साथ टेलीविजन पर सीधे प्रसारण में लाई डिटेक्टर टेस्ट कराने और चंद्रशेखर के दावों को गलत साबित करने का अच्छा मौका है।

चंद्रशेखर ने उपराज्यपाल को पत्र लिखकर आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं पर वसूली के आरोप लगाए हैं और कहा है कि वह केजरीवाल और उनके मंत्रियों के साथ लाई डिटेक्टर टेस्ट कराने के लिए तैयार है। पूनावाला ने कहा कि केजरीवाल लाई डिटेक्टर टेस्ट के जरिए अपनी ईमानदारी साबित कर सकते हैं लेकिन वह ऐसा नहीं करेंगे।

पूनावाला ने कहा कि केजरीवाल शराब घोटाले में प्राथमिकी रद्द करने के लिए अदालत का का रुख कर सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। पूनावाला ने कहा, केजरीवाल द्वारा निर्देशित लुटेरा फिल्म के कलाकारों में मनीष सिसोदिया हैं, जो शराब घोटाला मामले में आरोपी हैं। साथ ही उन्होंने दावा किया कि केजरीवाल नीत सरकार की अब वापस ली जा चुकी आबकारी नीति 2021-22 से दिल्ली के खजाने को 1800 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

उन्होंने कहा, आप ने नीति में भ्रष्टाचार पर भाजपा के सवालों का जवाब देने की कभी परवाह नहीं की कि साढ़े सात महीने के दौरान सरकार को 1800 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। पूनावाला ने कहा कि केजरीवाल लोगों को यह बताने में भी विफल रहे हैं कि उन्होंने आबकारी नीति 2021-22 को वापस क्यों लिया।

नीति में कथित अनियमितताओं की वर्तमान में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच की जा रही है। केजरीवाल ने शनिवार को कहा था, इस नीति को 31 जुलाई से आगे बढ़ाया जाना था। सभी अधिकारियों को विस्तार न देने की धमकी दी गई थी।

राजनीतिक तरकस
देश का सबसे तेज साप्ताहिक
राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार
7
वर्ष : 01 , अंक : 08, नई दिल्ली, बुधवार, 16 नवम्बर , 2022

क्या गर्भपात नैतिक रूप से उचित है ?

सत्यवान 'सौरभ'

गर्भावस्था की समाप्ति या भ्रूण हत्या नैतिक और नैतिक रूप से चुनौतीपूर्ण है और शायद प्रतिबंधात्मक गर्भपात कानूनों वाले देशों में इसे अवैध माना जाता है। नैतिक दुविधाएं जैसे कि महिलाओं की स्वायत्तता के अधिकार, भ्रूण के व्यक्तित्व के अधिकार और समाज के लिए डॉक्टर के नैतिक दायित्वों के साथ संघर्ष कर सकते हैं। उदार न्याय क्षेत्र में, पूर्ववर्ती भ्रूणों के पास व्यक्तित्व के कानूनी अधिकार नहीं हो सकते हैं; इसलिए, भ्रूण हत्या के संबंध में गर्भवती महिलाओं के निर्णयों का सम्मान करने के लिए उचित कार्रवाई होगी।

यदि गर्भावस्था मां के जीवन को खतरे में डालती है, तो हमें मां के जीवन के मूल्य की तुलना में भ्रूण के मूल्य पर विचार करना चाहिए। एक अवांछित बच्चे का जीवन अच्छा नहीं होता है। यदि एक माँ के पास कोई बच्चा है जो वह नहीं चाहती है, तो उसे और बच्चे दोनों को बहुत नुकसान हो सकता है; माँ को गर्भावस्था जारी रखने के लिए मजबूर करने से बच्चे को अपने लिए एक खुशहाल जीवन की संभावना कम हो सकती है और माँ को बहुत पीड़ा हो सकती है:माँ को अपने जीवन को नियंत्रित करने का अधिकार होना चाहिए, कम से कम इस हद तक कि ऐसा करने में वह खुद को कम से कम नुकसान पहुंचाती है।

लैंगिक समानता के लिए गर्भपात का अधिकार महत्वपूर्ण है। अलग-अलग महिलाओं के लिए अपनी पूरी क्षमता हासिल करने के लिए गर्भपात का अधिकार महत्वपूर्ण है। गर्भपात पर प्रतिबंध लगाने से महिलाओं को उन अवैध तरीकों का उपयोग करने के लिए मजबूर किया जाता है जो अधिक हानिकारक हो सकते हैं। लेकिन दूसरी ओर जीवन के अधिकार को हमेशा किसी व्यक्ति के समानता के अधिकार या खुद को नियंत्रित करने के अधिकार से अधिक महत्वपूर्ण होना चाहिए। इसका दुरुपयोग किया जा सकता है।

भ्रूण को जीने का अधिकार है क्योंकि वह एक 'संभावित इंसान' है। 'संभावित मानव' तर्क अजन्मे को विकास के शुरूआती चरण से जीवन का अधिकार देता है -वह क्षण जब अंडा निषेचित होता है। यह तर्क किसी भी चिंता को अप्रासंगिक बना देता है कि भ्रूण अपने विकास के किसी विशेष चरण में किस प्रकार का है। भ्रूण को व्यक्ति का पूर्ण अधिकार देने के लिए सबसे मजबूत तर्कों में से एक क्योंकि यह एक संभावित व्यक्ति है जो नवजात शिशु की स्थिति से बहता है।

जन्म के समय एक नवजात शिशु में 'नैतिक व्यक्तित्व' के लिए आवश्यक इतनी कम विशेषताएं होती हैं कि उसके जीवन का अधिकार उसके 'नैतिक व्यक्ति' होने पर आधारित नहीं हो सकता। बहरहाल, हर कोई यह स्वीकार करता है कि उसे जीने का अधिकार है -यहां तक कि वे जो 'नैतिक व्यक्ति' की विचारधारा का पालन करते हैं।

जीवन का अधिकार अन्य सभी मानवाधिकारों का आधार है -यदि हम उन अधिकारों की रक्षा करते हैं, तो हमें जीवन के अधिकार की भी रक्षा करनी चाहिए। गर्भपात एक नागरिक अधिकार मुद्दा है जिसमें गर्भपात का समर्थन करने वालों में से कुछ कुछ जनसंख्या समूहों के विकास को नियंत्रित करने के तरीके के रूप में करते हैं। कभी-कभी भागीदारों या परिवारों का शोषण करके महिलाओं का जबरन गर्भपात कराया जाता है। कभी-कभी महिलाओं पर गर्भपात इसलिए कराया जाता है क्योंकि समाज उनकी जरूरतों को पूरा करने में विफल रहता है। माता-पिता का अपने अजन्मे बच्चों के प्रति दायित्व है -इससे बचना उनके लिए गलत है। गर्भपात उन लोगों के साथ क्रूरतापूर्ण व्यवहार करता है जो इसे करते हैं, या जो इस प्रक्रिया में शामिल हैं।

"गर्भावस्था की समाप्ति या भ्रूण हत्या नैतिक और नैतिक रूप से चुनौतीपूर्ण है और शायद प्रतिबंधात्मक गर्भपात कानूनों वाले देशों में इसे अवैध माना जाता है। नैतिक दुविधाएं जैसे कि महिलाओं की स्वायत्तता के अधिकार, भ्रूण के व्यक्तित्व के अधिकार और समाज के लिए डॉक्टर के नैतिक दायित्वों के साथ संघर्ष कर सकते हैं। उदार न्याय क्षेत्र में, पूर्ववर्ती भ्रूणों के पास व्यक्तित्व के कानूनी अधिकार नहीं हो सकते हैं; इसलिए, भ्रूण हत्या के संबंध में गर्भवती महिलाओं के निर्णयों का सम्मान करने के लिए उचित कार्रवाई होगी।

गर्भपात पर सभी धर्मों ने कड़ा रुख अपनाया है; उनका मानना है कि इस मुद्दे में जीवन और मृत्यु, सही और गलत, मानवीय रिश्ते और समाज की प्रकृति के गहन मुद्दे शामिल हैं, जो इसे एक प्रमुख धार्मिक चिंता बनाते हैं। गर्भपात में शामिल लोग आमतौर पर न केवल भावनात्मक रूप से, बल्कि अक्सर आध्यात्मिक रूप से भी बहुत गहराई से प्रभावित होते हैं। वे अक्सर सलाह और आराम के लिए, अपनी भावनाओं की व्याख्या के लिए, और प्रायश्चित की तलाश करने और अपराध की अपनी भावनाओं से निपटने के तरीके के लिए अपने विश्वास की ओर मुड़ते हैं।

स्टेनली हॉवर के अनुसार 'किसी भी मात्रा में नैतिक प्रतिबिंब कभी भी मूल तथ्य को नहीं बदलेगा कि त्रासदी हमारे जीवन की वास्तविकता है। एक बिंदु पर पहुंच गया है जहां हमारे पास नैतिक प्रतिबिंब को रोकने के लिए ज्ञान होना चाहिए और पुष्टि करनी चाहिए कि कुछ मुद्दे नैतिकता की तुलना में अधिक गहन वास्तविकता को इंगित करते हैं।' ये ऐसे समर्थक हैं जो बच्चे को जन्म देने वाले की पसंद का समर्थन करते हैं और इसलिए स्वेच्छा से गर्भपात के कारण का समर्थन करते हैं।

कुछ परिस्थितियों में ये भ्रूण के जीने के अधिकार को खत्म कर सकते हैं; इन नैतिक अधिकारों में शामिल हैं: अपने शरीर के स्वामित्व का अधिकार, अपना भविष्य खुद तय करने का अधिकार, दूसरों द्वारा नैतिक या कानूनी हस्तक्षेप के बिना निर्णय लेने का अधिकार, गर्भवती महिला को जीवन का अधिकार है -जहां भ्रूण का गर्भपात नहीं करने से मां का जीवन या स्वास्थ्य खतरे में पड़ता है, उसे गर्भपात करने का नैतिक अधिकार है ये ऐसे प्रस्तावक हैं जो जीवन को ध्यान में रखते हुए समर्थन करते हैं यानी भ्रूण जिसे महिलाओं के गर्भ से ही जीवन माना जाता है।

गर्भपात की अनुमति देना हत्या को वैध बनाना है। हत्या को वैध बनाने से लोगों के जीवन के प्रति सम्मान कम हो जाता है। जीवन के लिए समाज के सम्मान को कम करना एक बुरी बात है -इससे इच्छामृत्यु, नरसंहार और हत्या की दर में वृद्धि हो सकती है। इसलिए गर्भपात हमेशा गलत होता है। दार्शनिक टेड लॉकहार्ट नैतिक समस्याओं से निपटने के लिए एक व्यावहारिक समाधान लेकर आए हैं। जिसका उपयोग यह तय करने के लिए किया जा सकता है कि भ्रूण का गर्भपात किया जाए या नहीं। लॉकहार्ट का सुझाव है कि हमें 'ऐसे कार्य करने चाहिए जो हमें अधिकतम विश्वास हो कि नैतिक रूप से स्वीकार्य हैं'। जहां हमें नैतिक चुनाव करना है, वहाँ हमें वह कदम उठाना चाहिए जो हमें सबसे अधिक विश्वास हो कि नैतिक रूप से सही है।

एमसीडी चुनाव का टिकट न मिलने पर टावर पर चढ़ा 'आप' नेता

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) चुनाव का टिकट नहीं मिलने से नाराज निवर्तमान मनोनीत निगम पार्षद हसीब उल हसन रविवार को शास्त्री पार्क इलाके में टावर पर चढ़ गया। उसका कहना है कि आम आदमी पार्टी (आप) ने उनसे सभी जरूरी ओरिजनल दस्तावेज जमा करवाये, लेकिन निगम चुनाव में उन्हें टिकट नहीं दिया।

आप नेता का कहना है कि लोकतंत्र में चुनाव लड़ने का सभी को हक है। वह चुनाव लड़ना चाहते हैं, लेकिन आम आदमी पार्टी के नेता उनके ओरिजिनल दस्तावेज नहीं दे रहे हैं। हसीब उल हसन ने कहा कि वह सालों से पार्टी के लिए काम कर रहे थे। चुनाव की तैयारियों में लगे थे, लेकिन उन्हें टिकट नहीं दिया गया। अब वह पार्टी से अपना दस्तावेज वापस लेने की मांग को लेकर टावर पर चढ़े हैं।

वहीं मामले की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंच गया और हसीब उल हसन को मनाने का प्रयास किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि इसके पहले भी हसीब उल हसन शास्त्री पार्क में गंदे नाले की सफाई को लेकर नाले में कूद गए थे और उसकी सफाई करने लगे थे। उस समय भी इन्होंने काफी सुर्खियां बटोरी थीं। नाले में कूदने के बाद इनके समर्थकों ने इन्हें दूध से नहला कर साफ किया था।

राजनीतिक तरकस
देश का सबसे तेज साप्ताहिक
राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार
8
वर्ष : 01 , अंक : 08, नई दिल्ली, बुधवार, 16 नवम्बर , 2022

किराए की कोख के कारोबार पर सामंथा का सीधा प्रहार

आमिर खान, शाहरुख खान, करण जौहर और शिल्पा शेट्टी, ये उन सितारों के नाम है जिनके बारे में दक्षिण भारतीय फिल्म यशोदा के हिंदी संस्करण में किराए की कोख (सरोगेसी) के जरिये अभिभावक बनने पर टिप्पणी की गई है। किराए की कोख के जरिये मां बनने का पूरा एक कारोबार भारत के पश्चिमी राज्यों में पनपता रहा है। मुंबई के मलाड क्षेत्र में ही गांव देहात से आने वाली ऐसी तमाम महिलाओं का हाल के बरसों तक तांता लगा रहता रहा है। फिल्म ह्ययशोदाह्न की कहानी ऐसी महिलाओं को ही केंद्र में रखकर लिखी गई है जिन्हें आर्थिक विपन्नता के कारण अपनी कोख अमीर लोगों को किराए पर देने होती है और इसके बदले उन्हें लाखों रुपये मिलते हैं। लेकिन, ये कहानी सिर्फ सरोगेसी के कारोबार की कहानी नहीं है, ये कहानी उसके कहीं आगे तक

Movie Review: यशोदा
कलाकार: सामंथा , उन्नी मुकुंदन , वरलक्ष्मी शरतकुमार और मुरली शर्मा आदि
लेखक: पुलगम चिन्नारायना और चल्ला भाग्यलक्ष्मी
निर्देशक:हरि और हरीश
निमार्ता:शिवलेंका कृष्ण प्रसाद
रिलीज:11 नवंबर 2022
रेटिंग: 3/5

जाती है। फिल्म में एक संवाद है जो शायद महिला सशक्तिकरण की पैरवी करने वालों को अच्छा न लगे लेकिन ये बहुत सामयिक भी है। फिल्म की मुख्य महिला किरदारों में से एक कहती हैं, ह्यराजा बनने के लिए युद्ध जीतने होते हैं, लेकिन रानी बनने के लिए सिर्फ एक राजा को जीतना होता है! महिला सशक्तिकरण के दो रूप
फिल्म यशोदा दो ऐसी महिलाओं की कहानी है जिनके लिए स्त्री सशक्तिकरण के मायने दो अलग अलग विचारधाराओं से निकलते हैं। सौंदर्य प्रतियोगिता में अतिथि बनकर आए मंत्री के सामने देवी देवताओं के चित्रों के सिर्फ सुंदर ही होने के तर्क के हिसाब से सौंदर्य प्रतियोगिताओं और सौंदर्य उत्पादों की तरफ पलड़ा झुकाने वाली मेडिकल की एक छात्रा अपने पिता से भी पांच साल बड़े उसी मंत्री से इसलिए शादी करने को तैयार हो जाती है क्योंकि उसके पास अथाह संपत्ति है। दूसरी तरफ यशोदा है। इस नाम को हर कदम पर जीने की कोशिश करती दिखने वाली गरीब परिवार की एक युवती। बताया जाता है कि वह अपनी छोटी बहन के इलाज के लिए अपनी कोख किराए पर देने को तैयार है। जिस कृत्रिम गभार्धान केंद्र में वह है, वह देखने में किसी फाइव स्टार होटल जैसा लगता है। खिड़कियों से दिखती हरियाली, रेलिंग पर बैठा कबूतर सब मनभावन है। और, फिर यशोदा कबूतर पकड़ने की कोशिश करती है तो पता चलता है कि वह तो सिर्फ छलावा है। बात की तह तक जाने की कोशिश में यशोदा हर उस छलावे का खुलासा करती चलती है जिसे दुनिया को धोखे में रखने के लिए रचा गया है।
मेडिकल साइंस के कारोबार का काला चेहरा
कृत्रिम गभार्धान विज्ञान की पिछली सदी की बड़ी तरक्की रही है। इसका ही अगला विस्तार सरोगेसी के तौर पर हुआ। कानून की मानें तो कोई दंपती ही सरोगेसी के जरिये अभिभावक बन सकता है और वह भी तब जब पहले से उनके कोई संतान न हो। इसमें छूट के जो नियम हैं उसके मुताबिक स्वस्थ संतान के माता पिता सरोगेसी से बच्चा हासिल नहीं कर सकते। और, इसी क्रम में शायद फिल्म हिंदी सिनेमा के सितारों का जिक्र भी करती है। फिल्म यशोदा का विषय बहुत ही संवेदनशील है। चिकित्सा अनुसंधानों के अनैतिक प्रयोग से धन कमाने वालों की तरफ भी ये फिल्म ध्यान ले जाती है और बताती है कि देश में बार बार एक निश्चित अवधि पर आने वाले विदेशी नागरिकों की तहकीकात करने भर से ही इस पूरे गोरखधंधे का भंडाफोड़ हो सकता है। फिल्में सिर्फ इतना ही कर सकती हैं। इस काम को रोकने के लिए जिम्मेदार एजेंसियां यहां के संकेत ले लें तो काफी कुछ हो सकता है।
फिल्म सरोगेसी के बहाने चलने वाले उस कारोबार तक विषय को ले जाती है जहां मजबूर स्त्रियों के पेट में पल रहा गर्भ सिर्फ एक ह्यअसेटह्न भर बनकर रह जाता है। हरि और हरीश की पहली तेलुगू फिल्म फिल्म यशोदा के निर्देशक हरि और हरीश यानी हरि शंकर और हरीश नारायण का तमिल सिनेमा मे बड़ा नाम रहा है।

इंग्लैंड ने जीता टी 20 वर्ल्ड कप पाकिस्तान को पांच विकेट से हराया

पाकिस्तान ने मेलबर्न में खेले गए फाइनल मैच में इंग्लैंड को जीत के लिए 138 रन की चुनौती दी थी। बेन स्टोक्स की हाफ सेंचुरी की मदद से इंग्लैंड ने 19वें ओवर की आखिरी गेंद पर लक्ष्य हासिल कर लिया।
बेन स्टोक्स 52 रन (49 गेंद) बनाकर नाबाद रहे। ये स्टोक्स की ट्वेंटी-20 में पहली हाफ सेंचुरी है। शाहीद शाह आफरीदी का 16वें ओवर में चोटिल होना पाकिस्तान को भारी पड़ा। तब तक पाकिस्तान टीम मुकाबले में बनी हुई थी।
इंग्लैंड टीम वनडे की भी वर्ल्ड चैंपियन है। एक ही वक़्त में वनडे और ट्वेंटी-20 वर्ल्ड कप रखने वाली इंग्लैंड पहली टीम बन गई है। इंग्लैंड ने ट्वेंटी-20 वर्ल्ड कप दूसरी बार जीता है। इंग्लैंड की टीम पहली बार 2010 में चैंपियन बनी थी।
मैदान में मौजूद 80 हजार से ज्यादा दर्शकों के सामने छोटे स्कोर का बचाव कर रही पाकिस्तान टीम को शाहीन शाह आफरीदी और हारिस रउफ ने गेंद से अच्छी शुरूआत दिलाई। पाकिस्तान के गेंदबाजों ने मैच को रोमांचक बना दिया था लेकिन बेन स्टोक्स ने इंग्लैंड को जीत दिला दी।
शाहीन शाह आफरीदी ने पहले ही ओवर में ओपनर एलेक्स हेल्स (1 रन) को बोल्ड कर दिया। हारिस रऊफ ने चौथे ओवर में फिल सॉल्ट (10 रन, नौ गेंद) को

इफ्तिखार अहमद के हाथों कैच कराया। अपने दूसरे ओवर में उन्होंने इंग्लैंड के कप्तान बटलर (26 रन, 17 गेंद) को भी आउट कर दिया। हैरी ब्रूक (20 रन) के रूप में पाकिस्तान को चौथी कामयाबी शादाब खान ने दिलाई।
पहला विकेट गिरा तो इंग्लैंड का स्कोर था सात रन। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर अच्छी लय में दिख रहे थे। दूसरे ओवर में उन्होंने नसीम शाह की गेंद पर लगातार दो चौके लगाए। तीसरे नंबर पर आए फिल सॉल्ट ने भी इस ओवर में एक चौका जड़ा। बटलर ने शाहीन शाह आफरीदी के दूसरे ओवर में भी एक चौका जमाया। इस ओवर में इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने सात रन जोड़े।
पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने चौथे ओवर में हारिस रऊफ को गेंद थमाई। फिल सॉल्ट ने उनके ओवर की पहली गेंद पर चौका जमाया लेकिन हारिस ने जोरदार वापसी की और तीसरी गेंद पर सॉल्ट को पैवेलियन लौटा दिया।
दूसरा विकेट गिरा तो इंग्लैंड का स्कोर था 32 रन। पांचवें ओवर में नसीम शाह की गेंद पर बटलर ने कीपर के ऊपर से छक्का जड़ा। इस ओवर में 11 रन बने। छठे ओवर में हारिस रऊफ को मोहम्मद रिजवान के हाथों कैच करा दिया। तीसरा विकेट गिरा तो इंग्लैंड का स्कोर था 45 रन।

हिन्दी का राष्ट्रीय राजनैतिक साप्ताहिक
राजनीतिक तरकस
देश का सबसे तेज साप्ताहिक
राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार
प्रचार है तो व्यापार है,
अपने व्यवसाय, राजनीति से जुड़ी
वार /त्यौहार/ जयंती/ पुण्यतिथि/ चुनावी अभियान का विज्ञापन
अब देश के लोकप्रिय हिंदी अखबार
एवं डिजिटल न्यूज़ पोर्टल
'राजनीतिक तरकस'
में दें।
जुड़े अपनों के साथ ऑनलाइन बुकिंग की अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
Email:tarkasnews@gmail.com Mob:9990170069
Website: www.rajneetiktarkas.in